भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

डेली वर्ल्ड

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 26.06.2019

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू में शुरू होंगे 4 नए कोर्स- निदेशक

आईआईटी बीएचयू ने इनोवेशन के लिए सरकार को दिया 230 करोड़ का प्रस्ताव

डेली वर्ल्ड रिपोर्टर / वाराणसी

आईआईटी बीएचयू अब तकनीकी शिक्षा के माध्यम से सीधे तौर पर समाज से जुड़ने जा रहा है। इसके तहत अब चार नए विभाग भी खोले जा रहे हैं। इन विभागों को खोलने का मकसद वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल का विकास है। यह जानकारी संस्थान के निदेशक प्रो प्रमोद कुमार जैन ने मंगलवार को संस्थान में आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों को दी।

निदेशक ने बताया कि संस्थान में बीटेक इन आर्किटेक्चर, एमटेक इन आर्किटेक्चर, बीटेक इन डिजाइनिंग जैसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। जुलाई से बैचलर इन आर्किटेक्चर का कोर्स शुरू हो जाएगा। शुरुआत में इसमें 20 छात्रों को ही प्रवेश मिलेगा। आगे 100 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। बी टेक के बाद एमटेक की कक्षाएं भी शुरू की जाएंगी। इसके अलावा डिजाइनिंग का कोर्स भी शुरू होगा। उन्होंने बताया कि संस्थान में आर्किटेक्चर विभाग का प्रारंभ संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि होगी। इसके माध्यम से संस्थान

अभियांत्रिक आर्किटेक्चर में निपुण मानव संसाधन सृजित करेगा जो राष्ट्र के निर्माण तथा मेक इन इंडिया के लिए राष्ट्रीय अभियानों में मील का पत्थर साबित होगा। प्रो जैन ने बताया कि संस्थान ने वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। विगत छः माह में संस्थान की 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकृत की गई है जिसमें वृंदावन, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत रक्षा अनुसंधान कॉरीडोर परियोजना, आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर योजना तथा स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया की

एआरसीआईएस प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि करोड़ों में है। इसी प्रकार संस्थान के लिए तीन स्मार्क परियोजनायें भी स्वीकृत हुई है जो प्रो राजीव प्रकाश, आचार्य प्रदीप श्रीवास्तव एवं आचार्य आर एस सिंह द्वारा निर्देशित की जा रही है। ऐसे ही संस्थान में तीन इम्प्रिंट परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई है जो डॉ बिंद कुमार, डॉ जाहर सरकार एवं प्रो राजीव प्रकाश के निर्देशन में चलाई जा रही है।

निदेशक ने बताया कि संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है तथा विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक व अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों के लिए 13 राष्ट्रीय संस्थाओं व 5 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए हैं। प्रो जैन ने बताया कि संस्थान ने छात्रों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए आधारभूत सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। हाल ही में संस्थान ने छात्राओं के लिए हास्टल का निर्माण करा दिया है।

इस वर्ष प्रवेश लेने वाली छात्राओं को नए छात्रावास में कमरा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त छात्रों के लिए वाई-फाई, स्ट्रीट लाइट, खेल के मैदान, पेयजल के लिए आरओ आदि की सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है। निदेशक के अनुसार महामना मालवीय जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए संस्थान ने आगामी पांच वर्षों में चार नए केंद्र जिसमें सेंचुरी इनोवेशन एंड

रिसर्च पार्क , सीडीईएच, जीओह, एम एसएसीसी, बनाने का भी निश्चय किया है। इन केंद्रों की स्थापना पर लागत लगभग 230 करोड़ होगी जिसके लिए भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय से अनुरोध किया जा रहा है। इन केंद्रों की स्थापना के बाद संस्थान इनोवेशन एण्ड रिसर्च कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो जाएगा।